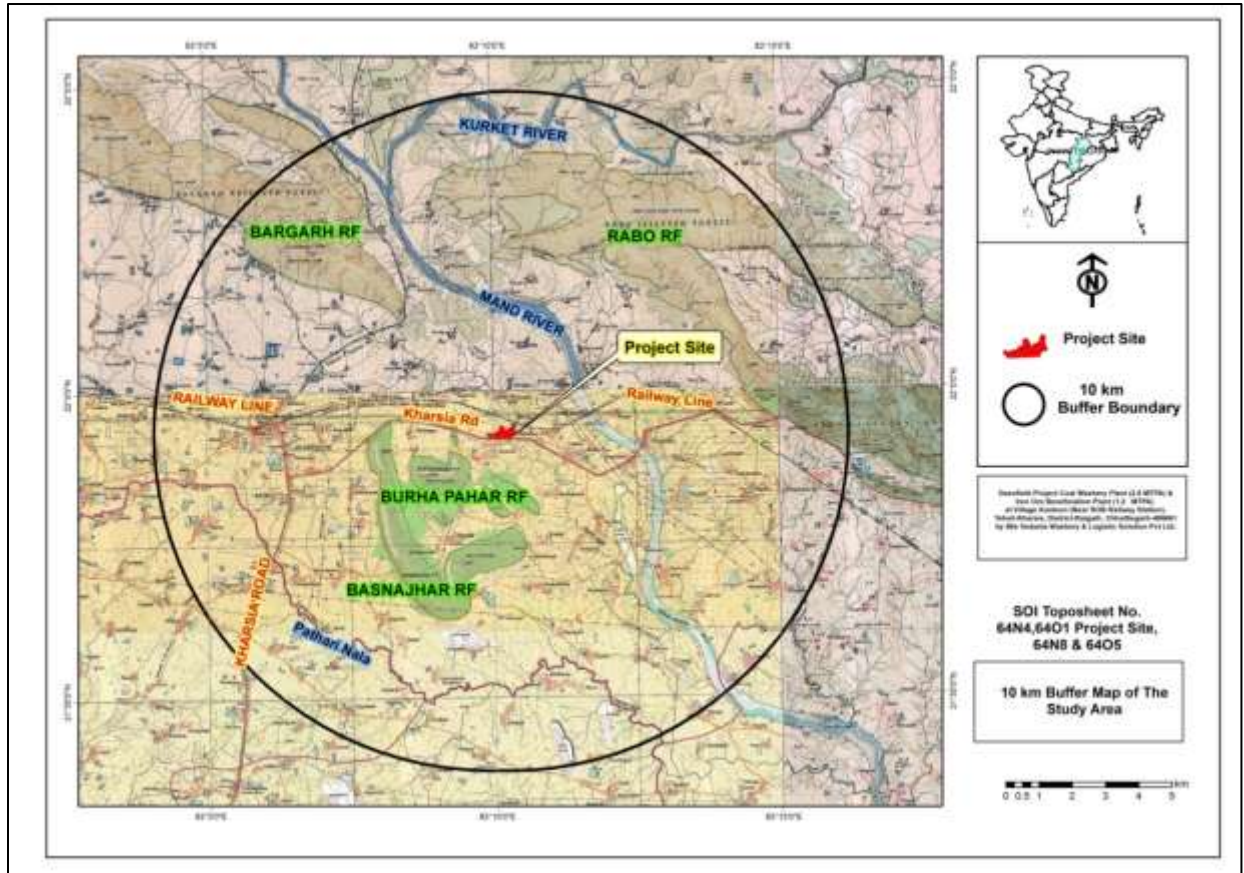


जन सुनवाई के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट का सारांश

2.6 एमटीपीए के हेवी मीडिया साइक्लोन पर आधारित वेट टाइप कोल वाशरी और

1.2 एमटीपीए के आयरन ओर बेनिफिशिएशन प्लांट की ग्रीनफील्ड परियोजना

ग्राम-कुनकुनी, तहसील-खरसिया, जिला- रायगढ़, छत्तीसगढ़



मैसर्स वेदांत वाशरी एंड लॉजिस्टिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड

(जून-2023)

विषय-सूची

1.0	परियोजना विवरण	पृष्ठ -3-5
2.0	पर्यावरण का विवरण	पृष्ठ -5-7
3.0	पर्यावरणीय प्रभाव और रोकथाम उपाय	पृष्ठ -7-8
4.0	पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम	पृष्ठ -9
5.0	अतिरिक्त अध्ययन	पृष्ठ -9
6.0	परियोजना लाभ	पृष्ठ -10
7.0	पर्यावरण प्रबंधन योजना	पृष्ठ -10
8.0	कंसलटेंट	पृष्ठ -11

1.0 परियोजना विवरण

मैसर्स वेदांत वाशरी एंड लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ने 2.6 एमटीपीए क्षमता की कोल वाशरी और 1.2 एमटीपीए की आयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। प्लांट, ग्राम- कुनकुनी, तहसील-खरसिया, जिला- रायगढ़, छत्तीसगढ़ में स्थित है। परियोजना स्थल रायगढ़-खरसिया रोड के निकट स्थित है। निकटतम शहर रायगढ़ 22.74 किमी पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर पर है। निकटतम गाँव कुनकुनी है, जो दक्षिण पूर्व दिशा की ओर लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन रॉबर्टसन है जो पूर्व दिशा में लगभग 0.5 किमी पर स्थित है और निकटतम हवाई अड्डा वीर सुरेंद्र साई हवाई अड्डा, झारसुगुड़ा है, जो पूर्व दिशा में लगभग 90.5 किमी की दूरी पर स्थित है। साइट और अध्ययन क्षेत्र भारत के सर्वेक्षण टोपो शीट नंबर-64N4, 64O1 प्रोजेक्ट साइट 64N8 और 64O5 में आता है। मंड नदी पूर्व दिशा में लगभग 2.8 किमी बह रही है, और कुर्केट नदी परियोजना सीमा से उत्तर पूर्व दिशा में 8.6 किमी की दूरी पर है। 10 किमी के दायरे में कोई वन्यजीव अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान नहीं हैं।

टीओआर के लिए आवेदन प्रस्ताव सं. IA/CG/CMIN/416623/2023 दिनांक 1 फरवरी, 2023 को जमा किया गया था। कोयला खनन परियोजनाओं की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी), MoEF&CC, नई दिल्ली ने 17 फरवरी, 2023 को आयोजित अपनी 40वीं बैठक में इस परियोजना पर विचार किया था। बैठक में ईएसी हेवी मीडिया साइक्लोन पर आधारित 2.6 एमटीपीए क्षमता वाली वेट टाइप कोल वाशरी परियोजना और 19.865 हेक्टेयर (रेलवे साइडिंग सहित) के क्षेत्र में 1.2 MTPA आयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट के लिए संदर्भ की मानक शर्तें (टीओआर) MoEF&CC द्वारा फ़ाइल संख्या J-11015/117/2014-IA-II (M) दिनांक 15.03.2023 द्वारा प्रदान की गई हैं।

Draft EIA/EMP तैयार कर लिया गया है और मानदंडों के अनुसार सार्वजनिक सुनवाई करने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड (सीईसीबी) को प्रस्तुत किया जा रहा है।

प्रस्तावित परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और इसके अब तक के संशोधन के अनुसार अनुसूची 2 (ए) और 2 (बी) की श्रेणी 'ए' के अंतर्गत आती है।

उपलब्ध कुल भूमि 19.865 हेक्टेयर (4 हेक्टेयर रेलवे साइडिंग सहित) है। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा 15.630 हेक्टेयर भूमि पट्टे पर दी गई है और 4.235 हेक्टेयर भूमि निजी मालिकों से पट्टे पर ली गई है।

प्रस्तावित प्लांट के लिए कुल 275 जनशक्ति की आवश्यकता होगी जिसमें प्रबंधक, पर्यवेक्षक, कुशल और अकुशल श्रमिक आदि शामिल हैं।

वाशरी और आयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट के लिए आवश्यक पानी धुलाई, धूल दमन और घरेलू उद्देश्य के लिए होगा। क्लोज्ड वाटर सर्किट का पालन किया जाएगा और वाशरी से उपयोग किए गए पानी को उपचारित किया जाएगा और प्रक्रिया में उपयोग के लिए पुनर्चक्रित किया जाएगा। धोने के दौरान इस्तेमाल हुए पानी की भरपाई के लिए वाटर सर्किट में केवल मेक-अप पानी डाला जाएगा।

कोल वाशरी में क्लोज्ड वाटर सर्किट का उपयोग करके किया जाएगा जहां धोने के बाद पानी को ट्रीट किया जाएगा और कोल वाशिंग के लिए रिसाइकल किया जाएगा। धोने के दौरान इस्तेमाल हुए पानी की भरपाई के लिए वाटर सर्किट में केवल मेक-अप पानी डाला जाएगा।

प्रस्तावित प्लांट के लिए अनुमानित पानी की आवश्यकता 1473 KLD है जिसमें से कोयला वाशरी प्रक्रिया के लिए 450 KLD और आयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट के लिए 1023 KLD की आवश्यकता होगी। पानी की आवश्यकता का स्रोत भूजल से लगभग 70% और 51000 KL क्षमता के वर्षा जल संचयन तालाब से 30% होगा।

परियोजना के लिए कुल बिजली की आवश्यकता 5 मेगावाट होगी जिसकी आपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत बोर्ड से की जाएगी। बिजली गुल होने पर आपातकालीन उपयोग के लिए 500 केवीए का डीजी सेट चलाया जाएगा।

कोयला वाशरी में कच्चे कोयले का अनलोडिंग, स्टोरिंग, हैंडलिंग, क्रशिंग, स्क्रीनिंग, मैग्नेटाइट के साथ मिश्रित पानी का उपयोग करके कोयले की धुलाई की जाएगी।

अस्थायी धूल उत्सर्जन मुख्य रूप से कच्चे लौह अयस्क और कोयले की लोडिंग और अनलोडिंग, सामग्री भंडारण, कन्वेयर बेल्ट, स्थानांतरण बिंदु, स्क्रीनिंग और वाहनों की आवाजाही से उत्पन्न होते हैं।

प्लांट से धुले हुए कोयले और परिष्कृत लौह अयस्क को सड़क मार्ग से ढके हुए ट्रकों में सीधे ग्राहक (या) रेलवे द्वारा स्वयं की परिचालन रेलवे साइडिंग की सुविधा का उपयोग करके ले जाया जाएगा।

परियोजना प्रस्तावक के पास परिचालित निजी रेलवे साइडिंग भी है जिसका उपयोग परियोजना के संचालन चरण के दौरान तैयार उत्पाद और कच्चे माल के परिवहन के लिए किया जा सकता है।

इस वाशरी से कोई अपशिष्ट जल बहार नहीं छोड़ा जायेगा मिडलिंग्स, फाइन व रिजेक्ट को पावर प्लांट में उपयोग में किया जायेगा। वायु प्रदूषण को नियंत्रित के लिए जल का छिड़काव व बैग फ़िल्टर का उपयोग किया जायेगा।

2.0 वातावरण का विवरण

पर्यावरण आधारभूत आंकड़े मानसून के बाद के मौसम में 1 दिसंबर 2022 से 28 फ़रवरी, 2023 के दौरान एकत्रित किये गए हैं। साइट के आसपास 10 किमी क्षेत्र को अध्ययन क्षेत्र माना गया है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानक/अनुमोदित प्रक्रियाओं का पालन करके आंकड़े जुटाए गए। परियोजना स्थल पर हवा की गति, हवा की दिशा, सापेक्ष आर्द्रता और तापमान पर मौसम संबंधी आंकड़े उत्पन्न किए गए थे। परिवेश वायु गुणवत्ता 8 स्थानों पर निरीक्षण किया गया था। ध्वनि गुणवत्ता का निरीक्षण 8 स्थानों पर गया है। 8 स्थानों पर सतही जल की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया। 8 स्थानों पर भूजल की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया। 5 स्थानों पर मृदा की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया।

अध्ययन क्षेत्र में मौजूद पौधों और जानवरों के आंकड़े जिला वन विभाग से एकत्र किए गए। जिला सांख्यिकी पुस्तिका और तहसील अभिलेखों से लैंडयूज, डेमोग्राफी, व्यवसाय पैटर्न, क्रॉपिंग पैटर्न, मूलभूत सुविधाओं के आंकड़े एकत्र किए गए।

अध्ययन अवधि के दौरान न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम आर्द्रता 10% और अधिकतम आर्द्रता 25% दर्ज की गई। अध्ययन अवधि में प्रमुख हवा की दिशा अध्ययन अवधि के दौरान ENE थी और अध्ययन अवधि के दौरान औसत हवा की गति 2.14 मीटर/सेकेंड है। अध्ययन के दौरान हवा का झोंका WSW की दिशा में था।

➤ **परिवेशी वायु गुणवत्ता का सारांश**

- PM10 = 49.4-85.1 $\mu\text{g}/\text{m}^3$
- PM2.5 = 23.1-52.1 $\mu\text{g}/\text{m}^3$
- SO2 = 4.8-18.7 $\mu\text{g}/\text{m}^3$
- NO2 = 10.5-51.6 $\mu\text{g}/\text{m}^3$
- CO = 360-980 $\mu\text{g}/\text{m}^3$

ध्वनि स्तर के अध्ययन से पता चलता है कि ध्वनि का स्तर स्वीकार्य मानदंडों को पूरा कर रहा है। दिन का ध्वनि स्तर 45.2 से 73.4 dB(A) के बीच पाया गया है। रात का ध्वनि स्तर 33.8 से 65.4 dB(A) के बीच पाया गया है ।

भूजल के विश्लेषण के परिणाम निम्नलिखित हैं: -

- pH = 7.28-7.65
- कुल घुलित ठोस = 305 से 580 mg/L
- कुल कठोरता = 175-220 mg/L
- कुल क्षारीयता = 167-210 mg/L
- लोहा = 0.15-0.26 mg/L

किसी भी नमूने में कुल कॉलीफॉर्म नहीं पाया गया।

भूजल की गुणवत्ता पीने के लिए BIS द्वारा निर्धारित निर्देशों से मिलती है (BIS:10500-2012)।

सतही जल गुणवत्ता का सारांश

- pH = 7.22-7.82.
- TDS = 275-670 mg/L.
- DO = 3.2- 6.5 mg/L.
- COD = 10-52 mg/L.
- BOD = 2.8-12 mg/L.

मृदा निलंबन का पीएच मान 7.13 से 8.03 के बीच भिन्न था। मिट्टी के पीएच के संदर्भ में मिट्टी की विशेषता प्रकृति में मामूली क्षारीय पीएच है। विशिष्ट चालकता 220 से 228

$\mu\text{mhos/सेमी}$ के बीच है। मिट्टी का सोडियम अवशोषण अनुपात 0.3 से 0.35 तक भिन्न है। Cation exchange क्षमता 13.4 से 15.6 meq/100 ग्राम के बीच पाया गया है। कार्बनिक पदार्थ के मामले में प्रज्वलन पर नुकसान 0.62 से 0.79% तक भिन्न है, यह दर्शाता है कि मिट्टी जैविक कार्बन स्थिति में मध्यम है। प्रमुख पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम का स्तर क्रमशः 138.72 kg/ha से 178.92 kg/ha, 45.26 से 55.27 kg/ha और 189.70 से 217.22 kg/ha है। पौधरोपण के लिए ताँबा, जस्ता, बोरॉन और आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व न्यूनतम और पर्याप्त हैं।

वनस्पति और जीव: अध्ययन क्षेत्र में पाँच आरक्षित वन हैं। राबो वन 5.2 किमी (उत्तर), इंदु वन 8.65 (उत्तर-उत्तर-पश्चिम), बारगढ़ वन 4.5 किमी (उत्तर-पश्चिम), बुरहापहाड़ वन 0.95 किमी (दक्षिण पश्चिम) और बसनाझार वन 2.85 (पश्चिम) पर है। अध्ययन क्षेत्र में बहने वाली प्रमुख नदियाँ मंड और कुर्केट नदी हैं जो क्रमशः पूर्व और उत्तर पूर्व दिशा में 2.8 किमी और 8.6 किमी की दूरी पर हैं। राबो वन उत्तरी क्षेत्र परियोजना स्थल में स्थित चारों आरक्षित वन में बड़ा है। इन वनों में प्रमुख वृक्ष प्रजाति साल (शोरिया रोबस्टा) है।

प्राथमिक सर्वेक्षण के दौरान स्तनधारियों की कुल 16 प्रजातियाँ, सरीसृप की 11 प्रजातियाँ, पक्षियों की 57 प्रजातियाँ और तितलियों की 11 प्रजातियाँ देखी गई हैं। कोई भी देखी जाने वाली प्रजाति वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-I के अंतर्गत नहीं आती है।

2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 60856 है 2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 60856 है। लिंग के अनुसार यह कमोबेश समान रूप से वितरित है। चूंकि अध्ययन क्षेत्र में कोई शहरी क्षेत्र नहीं है, इसलिए अध्ययन क्षेत्र में स्थित सभी बस्तियाँ गाँव हैं और उनमें रहने वाले लोग ग्रामीण हैं। अध्ययन क्षेत्र में कुल लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 999 महिलाओं का है।

3.0 पर्यावरणीय प्रभाव और रोकथाम उपाय

कोल वाशरी के संदर्भ में परिवेशी वायु गुणवत्ता का अनुमानित प्रभाव और रोकथाम उपाय:

कोयले की हैंडलिंग और क्रशिंग सह स्क्रीनिंग प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाला मुख्य प्रदूषक कोयला धूल है। कोयला हैंडलिंग के दौरान धूल के उत्पादन को कम करने के लिए पानी के छिड़काव किया जाएगा। कोल क्रशिंग और स्क्रीनिंग के दौरान डस्ट जनरेशन को कम करने के

लिए वेट डस्ट सप्रेसन सिस्टम लगाया जाएगा। कृशर यूनिट में डस्ट निष्कर्षण प्रणाली और बैग फिल्टर लगाया जायेगा। सभी कन्वेयर बेल्ट को कवर किया जाएगा। आंतरिक सड़क को पक्का किया जायेगा। औद्योगिक वैक्यूम क्लीनर का उपयोग कार्यशालाओं और अन्य कार्य क्षेत्रों में किया जाएगा। सभी आंतरिक सड़कों की दैनिक सफाई के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को तैनात किया जाएगा।

आयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट के संदर्भ में परिवेशी वायु गुणवत्ता के प्रत्याशित प्रभाव और रोकथाम के उपाय:

प्रस्तावित प्लांट से वायु प्रदूषण का स्रोत क्षणिक धूल उत्सर्जन होगा। प्रस्तावित आयरन ओर बेनिफिकेशन इकाई कच्चे लोहे के परिवहन, भंडारण और रखरखाव और प्रसंस्करण कार्यों से PM उत्पन्न करेगी। आयरन ओर बेनिफिशिएशन से पार्टिकुलेट मैटर के उत्सर्जन को प्रभावी धूल निष्कर्षण और/या धूल दमन प्रणाली द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। विभिन्न सामग्री स्थानांतरण बिंदुओं से धूल भरी हवा को उचित धूल दमन के साथ नियंत्रित किया जाएगा।

प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न 100% अपशिष्ट जल को क्लैरिफायर में उपचारित किया जाएगा और रासायनिक उपचार के बाद प्रक्रिया में पुनः उपयोग किया जाएगा। घरेलू सीवेज का उपचार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) में किया जाएगा। पौध रोपण विकास के लिए STP से उपचारित जल का उपयोग किया जाएगा।

कम शोर उत्सर्जक संयंत्र और मशीनरी का उपयोग किया जाएगा। 33% भूमि का क्षेत्र पौध रोपण के रूप में विकसित किया जाएगा। प्लांट की बाउंड्री पर शोर का स्तर 70 dBA से नीचे बना रहेगा।

कोयले की धुलाई से धुले हुए कोयले और रिजेक्ट का उत्पादन होगा। रिजेक्ट्स को आसपास के बिजली संयंत्रों को बेचा जाएगा और धुले हुए कोयले को पास के सीमेंट प्लांट और स्टील प्लांट को दिया जाएगा। समझौता ज्ञापन किया गया है।

प्रस्तावित परियोजना के कारण मौजूदा ट्रक संचलन स्वरूप में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा। लौह अयस्क सामग्री और कोयले के अंश के परिवहन के लिए परिचालित रेल साइडिंग है। परिवहन अधिकारियों के परामर्श से उपयुक्त यातायात प्रबंधन योजना लागू की जाएगी।

4.0 पर्यावरणीय निगरानी कार्यक्रम

पर्यावरण प्रबंधन सेल (EMC) की स्थापना नियमित पर्यावरण निगरानी के लिए की जाएगी। निर्धारित कानूनों और मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी की जाएगी। EMC के प्रमुख प्लांट हेड को रिपोर्ट करेंगे। योग्य कर्मचारियों को EMC में भर्ती किया जाएगा। परिवेशी वायु, स्टैक उत्सर्जन, fugitive धूल के उत्सर्जन, ध्वनि के स्तर, भूजल की गुणवत्ता, सतही जल की गुणवत्ता और स्थल की मृदा की पर्यावरणीय निगरानी मानदंडों के अनुसार की जाएगी। (EMC) निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार होगा:-

नियमित निगरानी: -

- Fugitive धूल को मापना, कार्य वातावरण में PM_{2.5} और PM₁₀ को मापना और असामान्य स्थिति को रिपोर्ट करना और उचित कार्यवाही करना ।
- क्रेशर के upwind और downwind की दिशा में परिवेशी वायु (Ambient Air)की गुणवत्ता को मापना (उस स्थल पर जो की 120 डिग्री उपस्थित है)
- अपशिष्ट जल गुणवत्ता (इनलेट और आउटलेट पानी - अपशिष्ट उपचार संयंत्र) की जाँच करना।
- कोयला भंडारण क्षेत्र, और आसपास के गांवों के पास भूजल की गुणवत्ता की जाँच करना।
- संयंत्र सीमा, निकटतम निवास स्थान और कार्य क्षेत्रों में ध्वनि की निगरानी।
- संयंत्र की सीमा के भीतर ग्रीनबेल्ट और हरियाली का विकास और रख रखाव।

5.0 अतिरिक्त अध्ययन

कोयला संग्रहण क्षेत्र को आग से सुरक्षा के लिये उचित अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था किया जाएगा । श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए आपातकालीन योजना बनायी जायेगी जिससे किसी भी दुर्घटना से तुरन्त बचाव किया जा सके।

कॉर्पोरेट पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय प्रभावों और वित्तीय लागतों को कम करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को सबसे प्रभावी और कुशल तरीके से प्रबंधित करने के बारे में है।

बेहतर आधारभूत संरचना, उचित जल निकासी सुविधा, सौर ऊर्जा प्रणाली, चिकित्सा सुविधा के उन्नयन के उद्देश्य से रुपये-1 करोड़ की राशि CER गतिविधि के तहत निर्धारित की गई है और

इसे MoEF&CC कार्यालय जापन दिनांक 30/09/2020 और जन सुनवाई के दौरान सुझाव के अनुसार अद्यतन किया जाएगा।

6.0 परियोजना के लाभ

निर्माण चरण के दौरान, प्रस्तावित परियोजना निम्नलिखित मर्दों में लाभान्वित होगी:

- लगभग 24 महीनों के लिए 50-60 व्यक्तियों का रोजगार सृजन।
- परियोजना कर्मियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए जल आपूर्ति, सीवरेज, और चिकित्सा सुविधा आदि जैसी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करके सामुदायिक सेवाएं।
- रोजगार के अवसर प्रदान करके जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक विकास।

प्रचालन चरण के दौरान, प्रस्तावित परियोजना निम्नलिखित मर्दों में लाभान्वित होगी:

- मुख्य कार्यकारी, प्रबंधकों, इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों, कुशल तकनीशियनों सहित 275 का प्रत्यक्ष रोजगार। कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल व्यक्ति।
- सड़क परिवहन, पूर्ण फाइलिंग बाजार की मांग, उपभोक्ता वस्तुओं के लिए बाजार, सामुदायिक संपत्ति (बुनियादी ढांचा) का निर्माण, और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर को बनाए रखने के द्वारा बुनियादी ढांचे में सुधार।
- परियोजना का लोगों की शिक्षा के स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- राष्ट्रीय और राज्य के खजाने को प्रत्यक्ष राजस्व आय
- थर्मल पावर प्लांट द्वारा उत्सर्जन सीमा को पूरा करना

7.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना

पर्यावरणीय प्रभावों के प्रभावी प्रबंधन और उचित प्रबंधन प्रक्रियाओं के माध्यम से पर्यावरण की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना विकसित की गई है। सुझाये गये सुरक्षा उपायों एवं पर्यावरण प्रबंधन योजना को क्रियन्वित करने के लिए कुल रु 636 लाख और आवर्ती प्रतिवर्ष 154.5 लाख की पूंजीगत व्यय किया गया है।

पर्यावरण प्रबंधन सेल (EMC) यह सुनिश्चित करेगा कि सभी वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, अपशिष्ट उपचार संयंत्र और जल पुनर्संचार प्रणाली प्रभावी ढंग से कार्य करें। EMC खर्च किए गए तेल और स्नेहक और अधिकृत विक्रेताओं को इस्तेमाल की गई बैटरियों के निपटान की निगरानी भी करेगा। निर्माण चरण के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशा-

निर्देशों का पालन करते हुए वृक्षारोपण शुरू किया जाएगा। EMC द्वारा संसाधन संरक्षण (कच्चा माल, पानी, आदि), वर्षा जल संचयन और सामाजिक वानिकी विकास के लिए योजनाएं शुरू की जाएंगी। कर्मचारियों के लिए नियमित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कम्पनी कर्मचारियों की समय-समय पर स्वास्थ्य जाँच की जायेगी। पर्यावरण प्रबन्धन सेल कर्मचारियों के लिए स्वच्छ कार्य क्षेत्र एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को सुनिश्चित करेगा। पर्यावरण प्रबन्धन सेल कम्पनी के सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर इकाई कमीशनिंग के दौरान होने वाले जोखिम के प्रति सजग रहेगा। पर्यावरण प्रबन्धन सेल प्रदूषण कम करने, दुर्घटनाओं को कम करने एवं अपशिष्टों के निष्पादन को कम करने के उपाय सुझायेगी। परियोजना में लागू पर्यावरण प्रबन्धन योजना इस इकाई से सम्बन्धित पर्यावरणीय कानूनों एवं नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी ताकि होने वाले सभी पर्यावरणीय प्रभावों की कम किया जायेगा।

8.0 कंसलटेंट

2,6 वेट टाइप कोल वाशरी और 1.2 एमटीपीए के आयरन ओर बेनिफिकेशन प्लांट की ग्रीनफील्ड परियोजना की ई.आई.ए/ई.एम.पी की तैयारी के लिए नियुक्त सलाहकार मैसर्स जी.आर.सी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं। जी.आर.सी इंडिया भारत में आई.एस.ओ 9001:2015, 14001:2015 और आई.एस.ओ 45000:2018 प्रमाणित अग्रणी पर्यावरण परामर्श कंपनी है। इसे राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण बोर्ड (NABET), क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो भारत में सर्वोच्च मान्यता प्राधिकरण है। जी.आर.सी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एक आधुनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला की स्थापना की, जो आई.एस/आई.एस.ओ 9001:2015, आई.एस/आई.एस.ओ 14001:2015 और आई.एस/आई.एस.ओ 45001:2018 के अनुरूप है। विभिन्न अध्ययनों के साथ सभी परियोजना नमूनाकरण और विश्लेषण जी.आर.सी प्रयोगशालाओं द्वारा किया जाता है। प्रयोगशाला ने एन.ए.बी.एल से मान्यता प्राप्त की जिसे प्रक्रिया के अनुसार नवीनीकृत किया गया है (वर्तमान प्रमाणपत्र संख्या टी.सी-7501 जोकि 25.05.2023 तक वैध है) और एम.ओ.ई.एफ.&सी.सी (राजपत्र अधिसूचना संख्या एस.ओ. 388 (ई) दिनांक 10.02.2017) द्वारा मान्यता प्राप्त है।